Department : HINDI		
Academic Year : 2024-25		
Sr. No.	**Programme Code**	**Name of the Programme**
01.		BA VI SEM

Sr. No.	Name of the Student	Title of the Project / Internship	Page No.
1.	आर्या साहू	मुंशी प्रेमचंद के उपन्यास गोदान के विशेष संदर्भ में	3-6
2.	अंकित कुमार	चंद्रकिशोर जायसवाल की कहानियों में चित्रित सामाजिक यथार्थ	7-10
3.	प्रिंस खरवार	हिन्दी निबंध का विकास	11-12
4.	शौर्य फरवी	बागी बलिया उपन्यास सामाजिकता के विविध संदर्भ :	13-17
5.	राजेश्वर	अमीश त्रिपाठी की शिव रचना त्रयी का समालोचनात्मक अध्ययन	18-21
6.	शहाबुद्दीन मंसूरी	रेत की मछली' में चित्रित नारी संघर्ष	22-26
7.	आदर्श कुमार	बनारस टाकीज की परिस्थितियाँ	27-30
8.	शुभम कश्यप	भारत दुर्दशा नाटक कल और आज :	31-34
9.	शुभांश कुमार सैनी	समकालीन यथार्थ की अभिव्यक्ति व सारा आकाश	35-38
10.	राजीव सिंह	वर्तमान शिक्षा व्यवस्था एक और द्रोणाचार्य के संदर्भ में :	39-42
11.	ममता कुशवाहा	मन्नू भण्डारी की प्रमुख कहानियाँ	43-45
12.	वर्षा साहू	कुलटा में वर्णित स्त्री पुरुष संबंधों का सामाजिक विश्लेषण : संदर्भ कुलटा उपन्यास	46-48
13.	नवीन कुमार	उदय प्रकाश की कहानियों में सामाजिक यथार्थ और उनकी समस्याओं के स्वरूप	49-51
14.	करिश्मा	जोहड़ी में अभिव्यक्त सामाजिक यथार्थ	52-54
15.	आस्था ठाकुर	समकालीन हिन्दी कहानी	55-57

16.	अनिरुद्ध धुर्वे	कुच्ची का कानून पुरुषसत्तात्मक समाज में स्त्री स्वायत्तता की : खोज	58-60
17.	वैभव वत्स	मैथिली लोकगीतों का समाजशास्त्रीय अध्ययन	61-63
18.	अनिल गुप्ता	छात्र राजनीति की गाथा अपना मोर्चा के संदर्भ में :	64-66
19.	आदिती तिवारी	ढलती साँझ का सूरज कृषक जीवन का यथार्थ :	67-69
20.	अंकित धुर्वे	ईश्वर और बाजार में अभिव्यक्त आदिवासी समाज का यथार्थ	70-72
21.	जुगेश प्रधान	महादेवी वर्मा की कहानियों विमर्श के विविध पक्ष :	73-75
22.	सुरेन्द्र कुमार	ग्लोबल गाँव के देवता में अभिव्यक्त सामाजिक चेतना	76-78
23.	धीरज कुमार	अमर देसवा में चित्रित सामाजिक यथार्थ	79-81
24.	करन सिंह	सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भों में आगरा बाजार की प्रासंगिकता	82-84

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

Signature and Seal of the Head

मुंशी प्रेमचंद के उपन्यास–गोदान के विशेष संदर्भ में

बी. ए हिंदी (छठा सेमेस्टर) के प्रश्न-पत्र : अधिन्यास कार्य की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

अधिन्यास कार्य

सत्र : 2024-25

मार्गदर्शक
डॉ. मुरली मनोहरसिंह
सहायक प्राध्यापक
हिंदी विभाग
गु.घा. वि.वि बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ गौरी त्रिपाठी
सह-प्राध्यापक
हिंदी विभाग
गु.घा. वि.वि बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
आर्या साहू
बी.ए. हिंदी छठा सेमेस्टर
ना.क्र. GGV/22/00209
रोल नम्बर - 22004209
गु.घा. वि. वि. बिलासपुर

हिंदी विभाग
कला अध्ययनशाला
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)
केंद्रिय केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम-2009, क्रमाक 25, अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय
(NAAC GRADE : A++)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि आर्या साहू ने मेरे मार्गदर्शन में 'गोदान की कथा व्यथा' (मुंशी प्रेमचंद के उपन्यास – गोदान के विशेष संदर्भ में) बी.ए. हिंदी (छठा सेमेस्टर) के प्रश्न–पत्रः अधिन्यास कार्य की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत अधिन्यास कार्य पूरा किया है। यह अधिन्यास कार्य विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित, तथ्यों पर आधारित एव निर्मित कार्य है, जिसमें विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन क्रिया गया है। मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किये जाने की संस्तुति करती हूँ।

स्थान – बिलासपुर
दिनाँक – २२/५/२०२५

मार्गदर्शक
डॉ मुरली मनोहर सिंह
सहायक प्राध्यापक
हिंदी विभाग
गु.घा. वि.वि. कोनीबिलासपुर (छ.ग.)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

घोषणा पत्र

मैं, आर्या साहू यह घोषणा करती हूँ कि गोदान 'कथा व्यथा व्यथा' (मुंशी प्रेमचंद के उपन्यास– गोदान के विशेष संदर्भ में) बी. ए. हिंदी (छठा सेमेस्टर) के प्रश्न–पत्र :– अधिन्यास कार्य की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत अधिन्यास कार्य है। यह मेरा मौलिक कार्य है। इसे पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह अधिन्यास कार्य मैंने डॉ. मुरली मनोहर सिंह सहायक अध्यापक, हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय कोनी, बिलासपुर (छ. ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है। मैं यह घोषणा करती हूँ कि प्रस्तुत अधिन्यास कार्य को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के सभी नियमों का पालन किया है

स्थान – बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता

आर्या साहू
छठा सेमेस्टर हिंदी विभाग
गु. घा. वि. वि.
कोनी बिलासपुर (छग)
ना.क्र–GGV/22/00209
अनुक्रमांक – 22004209

अनुक्रमणिका

प्रमाण पत्र

घोषणा पत्र

आभार

भूमिका

अध्याय एक : हिंदी उपन्यास और प्रेमचंद

1.1 हिंदी उपन्यास : सामान्य परिचय

1.2 प्रेमचंद युग के हिंदी उपन्यास : सामान्य परिच

अध्याय दो : प्रेमचंद के उपन्यास

2.1 यथार्थवादी उपन्यास : सामान्य परिचय

2.1 सामाजिक उपन्यास : सामान्य परिचय

2.3 स्त्री विषयक उपन्यास : सामान्य परिचय

अध्याय तीन : गोदान उपन्यास एवं भारतीय किसान जीवन

3.1 गोदान में चित्रित किसान जीवन

3.2 जमींदारी प्रथा

3.3 जाति व्यवस्था व ऊंच नीच की भावना

3.4 गोदान की प्रांसगिकता

उपसंहार

संदर्भ सूची

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

"चंद्रकिशोर जायसवाल की कहानियों में चित्रित सामाजिक यथार्थ"

(संदर्भ: 'नकबेसर कागा के भागा' कहानी-संग्रह)

बी.ए. हिंदी (ऑनर्स) छठा सेमेस्टर के अंतर्गत 'परियोजना कार्य' प्रश्न पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

परियोजना कार्य

सत्र : 2024-25

मार्गदर्शक
डॉ. अखिलेश गुप्ता
सहायक प्राध्यापक
हिंदी विभाग
गु. घा. वि. वि., बिलासपुर (छ.ग.)

विभागाध्यक्ष
प्रो. गौरी त्रिपाठी
प्राध्यापक
हिंदी विभाग
गु. घा. वि. वि., बिलासपुर (छ.ग.)

प्रस्तुतकर्ता
अंकित कुमार
बी.ए. हिन्दी (ऑनर्स) छठा सेमेस्टर
ना.क्र.- GGV/22/00208
हिंदी विभाग, गु.घा.वि.वि., बिलासपुर

हिंदी विभाग
कला अध्ययनशाला
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009, क्रमांक 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
(NAAC : A ++)
कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

अनुक्रमणिका

i.	घोषणा-पत्र	ii
ii.	प्रमाण-पत्र	iii
iii.	आभार	iv
iv.	भूमिका	1-3
पहला अध्याय		
	चंद्रकिशोर जायसवाल : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	4-15
1. 1	चंद्रकिशोर जायसवाल : जीवन परिचय	
1. 2	चंद्रकिशोर जायसवाल : रचना संसार	
1. 3	चंद्रकिशोर जायसवाल : साहित्यिक उपलब्धियाँ	
1. 4	चंद्रकिशोर जायसवाल की कहानियों का सामान्य परिचय	
दूसरा अध्याय		
	चंद्रकिशोर जायसवाल की कहानियों में आँचलिकता का स्वरूप	16-33
2.1	हिंदी साहित्य में आँचलिकता की अवधारणा	
2.2	प्रमुख आँचलिक कथाकार और उनकी कहानियों में आँचलिकता	
2.3	चंद्रकिशोर जायसवाल की कहानियों में आँचलिकता का स्वरूप	
तीसरा अध्याय		
	चंद्रकिशोर जायसवाल की कहानियों में सामाजिक यथार्थ	34-47
चौथा अध्याय		
	उपसंहार	48-50
	परिशिष्ट	51-52
i.	आधार ग्रंथ	
ii.	सहायक ग्रंथ	
iii.	वेब लिंक	

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

घोषणा-पत्र

मैं अंकित कुमार, सत्र 2024-25 स्नातक हिन्दी (ऑनर्स) छठा सेमेस्टर, गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) का छात्र हूँ। मैं अपने पूर्ण उत्तरदायित्व के साथ यह घोषणा करता हूँ कि मैंने निर्देशक के समक्ष स्वयं परियोजना कार्य **"चंद्रकिशोर जायसवाल की कहानियों में चित्रित सामाजिक यथार्थ" (संदर्भ : 'नकबेसर कागा के भागा' कहानी-संग्रह)** शीर्षक विषय पर पूर्ण किया है।

स्थान : बिलासपुर (छ.ग.)

दिनांक : 22-04-25

प्रस्तुतकर्ता
अंकित कुमार

स्नातक हिन्दी (ऑनर्स)
छठा सेमेस्टर
गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय,
बिलासपुर (छ.ग.)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ. ग.)

हिंदी विभाग

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **अंकित कुमार,** गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में सत्र 2024-25 में स्नातक हिंदी (ऑनर्स) **छठा** सेमेस्टर के नियमित छात्र हैं। इन्होंने विश्वविद्यालय के नियमांतर्गत **"चंद्रकिशोर जायसवाल की कहानियों में चित्रित सामाजिक यथार्थ" (संदर्भ : 'नकबेसर कागा के भागा' कहानी-संग्रह)** शीर्षक विषय पर परियोजना कार्य योजना मेरे निर्देशन में पूर्ण किया है।

स्थान : बिलासपुर (छ.ग.)

दिनांक : 22-04-2025

डॉ. अखिलेश गुप्ता
मार्गदर्शक

प्रो. गौरी त्रिपाठी
प्राध्यापक एवं अध्यक्ष
हिंदी विभाग

"हिन्दी निबंध का विकास"

बी.ए. हिंदी (ऑनर्स) छठा सेमेस्टर के अंतर्गत 'परियोजना कार्य' प्रश्न पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु

प्रस्तुत

परियोजना कार्य

सत्र: 2024–25

मार्गदर्शक	विभागाध्यक्ष	प्रस्तुतकर्ता
डॉ. राजेश मिश्रा	प्रो. गौरी त्रिपाठी	प्रिन्स खरवार
सहायक प्राध्यापक हिंदी विभाग गु. घा.वि.वि.,बिलासपुर (छ.ग.)	प्राध्यापक हिंदी विभाग गु. घा.वि.वि., बिलासपुर (छ.ग.)	बी. ए. हिन्दी (ऑनर्स) छठा सेमेस्टर ना.क्र.– GG/22/00218 हिंदी विभाग, गु.घा.वि.वि., बिलासपुर (छ.ग.)

हिंदी विभाग

कला अध्ययनशाला

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009, क्रमांक 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

(NAAC : A++)

केन्द्रीय विश्वविद्यालय (छ.ग.)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ. ग.)

हिंदी विभाग

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **प्रिंस खरवार,** गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में सत्र 2024-25 में स्नातक हिंदी (ऑनर्स) छठा सेमेस्टर के नियमित छात्र हैं। इन्होंने विश्वविद्यालय के नियमांतर्गत **"हिन्दी निबंध का विकास"** शीर्षक विषय पर परियोजना कार्य मेरे निर्देशन में पूर्ण किया है।

स्थान : बिलासपुर (छ.ग.)

दिनांक :

डॉ. राजेश मिश्र
मार्गदर्शक

प्रो. गौरी त्रिपाठी
प्राध्यापक एवं अध्यक्ष
हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

बागी बलिया (उपन्यास): सामाजिकता के विविध संदर्भ

स्नातक हिंदी(छठा सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्नपत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

परियोजना–कार्य

सत्र: 2024 - 25

मार्गदर्शक
डॉ.गौरी त्रिपाठी
प्राध्यापक ,हिंदी विभाग
गु. घा. वि. वि. बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
प्राध्यापक ,हिंदी विभाग
गु. घा. वि. वि. बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
शौर्य फर्वी
बी. ए.(ऑनर्स) हिंदी छठा सेमेस्टर
ना . सं.: GGV/22/00222

हिंदी विभाग
कला अध्ययनशाला
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय
(केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनयम , 2009 कंडिका 25 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी , बिलासपुर (छ.ग.)

घोषणा-पत्र

मैं, शौर्य यह घोषणा करता हूँ कि "बागी बलिया (उपन्यास) : सामाजिकता के विविध संदर्भ" विषय पर प्रस्तुत यह परियोजना-कार्य मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है, इसे अंशतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह परियोजना-कार्य मैंने डॉ. गौरी त्रिपाठी, सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

मैं घोषणा करता हूं कि प्रस्तुत परियोजना-कार्य को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के शोध परियोजना संबंधीसभी नियमों का पालन किया है।

स्थान : हिन्दी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता

शौर्य फर्वी

स्नातक छठा सेमेस्टर, हिन्दी विभाग

गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

नामांकनसं. GGV/22/00222

अनुक्रमांक - 22004122

प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि शौर्य ने मेरे मार्गदर्शन में " बागी बलिया (उपन्यास) : सामाजिकता के विविध संदर्भ " विषय पर अपना परियोजना-कार्य पूरा किया है। यह परियोजना-कार्य विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा-पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उसका मौलिक कार्य है, जिसमे विश्वविद्यालय के शोध-परियोजना संबंधीसभी नियमों का पालन किया गया है। मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किए जाने की संस्तुति करती हूं।

स्थान : हिन्दी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर

दिनांक:

मार्गदर्शक

डॉ. गौरी त्रिपाठी

सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

बागी बलिया (उपन्यास): सामाजिकता के विविध संदर्भ

अनुक्रमाणिका

अध्याय - 1 : हिंदी उपन्यास कथावस्तु एवं अंतर्वस्तु

1.1सत्य व्यास का व्यक्तित्व एवं कृतित्व

1.2"बागी बलिया" की कथावस्तु

1.3बागी बलिया की विषय विविधता

अध्याय - 2 : "बागी बलिया" : विविध सामाजिक संदर्भ

2.1 ऐतिसहिक संदर्भ

2.2 सामाजिक संदर्भ

2.3 राजनीतिक संदर्भ परिदृश्य

2.4 मानवीय संबंध

अध्याय - 3 : "बागी बलिया" विविध छात्र जीवन का चित्रण

3.1 छात्र राजनीति का तात्कालिक संदर्भ

3.2 वर्चस्व की राजनीति

3.3 प्रतिरोधी चेतना

अध्याय - 4 : भाषा शैली एवं शिल्प योजना

4.1 भाषा शैली

4.2 शिल्प योजना

4.3 नई हिंदी : स्वरूप एवं संदर्भ

अध्याय - 5 : उपसंहार

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

अमीश त्रिपाठी की शिव रचना त्रयी का समालोचनात्मक अध्ययन

बी. ए. हिन्दी (छठा सेमेस्टर) के चौथे प्रश्न-पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध-प्रबंध

सत्र: 2024 - 2025

मार्गदर्शक
डॉ रमेश कुमार गोहे
सहायक प्राध्यापक
हिंदी विभाग गु.घा.वि.वि. बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ गौरी त्रिपाठी
सह-प्राध्यापक
हिंदी विभाग गु.घा.वि.वि. बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
राजेश्वर
बी. ए. छठा सेमेस्टर
हिंदी विभाग गु.घा.वि.वि. बिलासपुर

हिंदी विभाग
कला अध्ययनशाला
गुरु घसीदास विश्वविद्यालय
(केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम २००९ क्रमांक २५ के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

घोषणा पत्र

मैं **राजेश्वर** यह घोषणा करता हूं कि, "**अमीश त्रिपाठी की शिव रचना त्रयी का समालोचनात्मक अध्ययन**" विषय पर प्रस्तुत यह लघु शोध प्रबंध मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है। इसे अस्तः या पूर्णतः किसी विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह शोध कार्य **मैं डॉ. रमेश कुमार गोहे** ,सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग गुरु घसीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है। मैं घोषणा करता हूं कि प्रस्तुत लघु शोध पत्र प्रबंध को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया है।

स्थान : बिलासपुर

दिनांक : 22.04.2025

प्रस्तुतकर्ता

राजेश्वर
बी.ए. हिंदी विभाग
चतुर्थ सेमेस्टर, गु.घा.वि.वि. बिलासपुर
ना. क्र. : GGV/22/00220
अनुक्रमांक : 22004120

अनुक्रमणिका

घोषणा पत्र

प्रमाण पत्र

आभार

भूमिका

प्रथम अध्याय : प्रस्तावना

- अमीश त्रिपाठी एवं उनकी लेखन शैली
- शिव रचना त्रयी का साहित्यिक महत्व

दूसरा अध्याय : शिव रचना त्रयी - संक्षिप्त परिचय

- मेलूहा के मृत्युंजय (कहानी का आरंभ, शिव का आगमन और नीलकंठ की पहचान, शिव की यात्रा का प्रारंभ
- नागाओं का रहस्य (शिव का संघर्ष, नागाओं का रहस्य, युद्ध की पृष्ठभूमि)
- वायुपुत्रों की शपथ (शिव का निर्णय, वायुपुत्रों का रहस्य, युद्ध का आरंभ, बुराई का अंत, समापन)

तीसरा अध्याय : पौराणिकता एवं ऐतिहासिकता का विश्लेषण

- वास्तविक इतिहास और कल्पना का मिश्रण
- वैदिक सभ्यता, सिंधु घाटी संस्कृति एवं त्रयी का संदर्भ
- धार्मिक प्रतीकों एवं मिथकों का नया दृष्टिकोण

चौथा अध्याय : धार्मिक और दार्शनिक दृष्टिकोण

- शिव का मानव रूप में चित्रण और कर्म के सिद्धांत
- सत्य और नैतिकता की बदलती परिभाषाएं

- शिव त्रयी में अध्यात्म और योग का स्थान

पंचम अध्याय : भाषा और शैली

- आधुनिक भाषा में प्राचीन कथा का वर्णन
- संवाद और वर्णन की शैली
- पश्चिमी एवं भारतीय कथा शैली का मिश्रण

उपसंहार

संदर्भ सूची

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

'रेत की मछली' में चित्रित नारी संघर्ष

बी.ए. हिंदी (ऑनर्स) छठा सेमेस्टर के अंतर्गत 'परियोजना कार्य' प्रश्न पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

परियोजना कार्य

सत्र : 2024-25

मार्गदर्शक
डॉ. आशीष कुमार यादव
सहायक प्राध्यापक
हिंदी विभाग
गु. घा. वि. वि., बिलासपुर (छ.ग.)

विभागाध्यक्ष
प्रो. गौरी त्रिपाठी
प्राध्यापक
हिंदी विभाग
गु. घा. वि. वि., बिलासपुर (छ.ग.)

Shahabuddin Mansuri
प्रस्तुतकर्ता
शहाबुद्दीन मंसूरी
बी.ए. हिन्दी (ऑनर्स) छठा सेमेस्टर
ना.क्र.- GGV/22/00221
हिंदी विभाग, गु.घा.वि.वि., बिलासपुर

हिंदी विभाग
कला अध्ययनशाला
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009, क्रमांक 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
(NAAC : A ++)
कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

अध्याय – योजना

i.	घोषणा पत्र	ii
ii.	प्रमाण पत्र	iii
iii.	आभार	iv
iv.	भूमिका	1-3
प्रथम अध्याय		
	कांता भारती : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	4- 8
	1. 1 कांता भारती : सामान्य परिचय	
	1. 2 कांता भारती का साहित्यिक परिचय	
द्वितीय अध्याय		
	रेत की मछली उपन्यास में वर्णित समाज	10- 15
	2.1 रेत की मछली उपन्यास में वर्णित सामाजिक रूढ़ियाँ	
	2.2 रेत की मछली उपन्यास में अभिव्यक्त प्रतिरोध की संस्कृति	
तृतीय अध्याय		
	रेत की मछली उपन्यास में स्त्री संघर्ष	17- 23
	3.1 लैंगिक असमानता	
	3.2 स्त्री पुरुष संघर्ष	
चतुर्थ अध्याय		25- 31
	कांता भारती के उपन्यास में निहित नारी विमर्श	
	4.1 नारी विमर्श का इतिहास भारतीय संदर्भ में	
पाँचवा अध्याय		33- 35
रेत की मछली उपन्यास में भारतीय महिलाओं के समक्ष चुनौतिया		
छठा अध्याय		
	उपसंहार	37

परिशिष्ट

i. आधार ग्रंथ

ii. सहायक ग्रंथ

iii. वेब लिंक

घोषणा पत्र

मैं शहाबुद्दीन मंसूरी, सत्र 2024-25 स्नातक हिन्दी (ऑनर्स) छठा सेमेस्टर, गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) का छात्र हूँ। मैं अपने पूर्ण उत्तरदायित्व के साथ यह घोषणा करता हूँ कि मैंने निर्देशक के समक्ष स्वयं रिपोर्ताज कार्य **'रेत की मछली में चित्रित नारी संघर्ष'** शीर्षक विषय पर पूर्ण किया है।

स्थान: बिलासपुर (छ.ग.)
दिनांक: 22/04/2025

Shahabuddin Mansuri
प्रस्तुतकर्ता
शहाबुद्दीन मंसूरी
बी.ए छठा सेमेस्टर
स्नातक हिन्दी (ऑनर्स)
गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय,
बिलासपुर (छ.ग.)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ. ग.)
हिन्दी विभाग

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **शहाबुद्दीन मंसूरी** गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में सत्र 2024-25 में छठा सेमेस्टर स्नातक हिंदी (ऑनर्स) के नियमित छात्र है। इन्होंने विश्वविद्यालय के नियमांतर्गत **'रेत की मछली में चित्रित नारी संघर्ष'** शीर्षक विषय पर परियोजना कार्य योजना मेरे निर्देशन में पूर्ण किया है।

स्थान:- बिलासपुर

दिनांक:- 22-05-2025

मार्गदर्शक

डॉ. आशीष कुमार यादव

सहायक प्राध्यापक

हिंदी विभाग

विभागाध्यक्ष

प्रो. गौरी त्रिपाठी

प्राध्यापक एवं अध्यक्ष

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

बनारस टॉकीज की परिस्थितियां

बी.ए. हिंदी (ऑनर्स) षष्ठ सेमेस्टर के अंतर्गत 'परियोजना कार्य' प्रश्न पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध-प्रबंध

सत्र : 2024-25

मार्गदर्शक
डॉ. अतुल कुमार
प्राध्यापक, हिंदी विभाग
गु. घा. वि. वि., बिलासपुर (छ.ग.)

विभागाध्यक्ष
प्रो. गौरी त्रिपाठी
विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग
गु. घा. वि. वि., बिलासपुर (छ.ग.)

प्रस्तुतकर्ता
आदर्श कुमार
स्नातक हिन्दी षष्ठ सेमेस्टर
ना.संख्या- GGV/22/00203

हिंदी विभाग
कला अध्ययनशाला
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009, क्रमांक 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
(NAAC : A ++)
कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि **आदर्श कुमार** ने मेरे मार्गदर्शन में **"बनारस टॉकीज की परिस्थितियां"** विषय पर अपना परियोजना कार्य पूरा किया है। यह परियोजना-कार्य विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा-पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उसका मौलिक कार्य है, जिसमें विश्वविद्यालय के शोध-परियोजना संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किए जाने की संस्तुति करता हूं।

स्थान : हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर

दिनांक : 22/04/2025

मार्गदर्शक

डॉ. अतुल कुमार

हिंदी विभाग गुरु घासीदास विश्वविद्यालय,

बिलासपुर, छत्तीसगढ़

घोषणा पत्र

मैं, **आदर्श कुमार** यह घोषणा करता हूं कि **"बनारस टॉकीज की परिस्थितियां"** विषय पर प्रस्तुत यह परियोजना-कार्य मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है, इसे अंशतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह परियोजना- कार्य मैंने डॉ. अतुल कुमार, हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

मैं घोषणा करता हूं कि प्रस्तुत परियोजना-कार्य को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय से शोध परियोजना संबंधी सभी नियमों का पालन किया है।

स्थान : हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर

दिनांक : 22|05|2025

Adarsh Kumar

प्रस्तुतकर्ता

आदर्श कुमार

स्नातक षष्ठ सेमेस्टर, हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर छत्तीसगढ़

नामांकन संख्या- GGV/22/00203

अनुक्रमांक- 22004103

अनुक्रमणिका

	पृष्ठ संख्या
प्रमाण-पत्र	1
घोषणा-पत्र	2
आभार	3
प्रस्तावना	4
अध्याय 1. लेखक के बारे में	6-9
अध्याय 2. बनारस टॉकीज का फिल्मों से संबंध	10-22
अध्याय 3. बनारस टॉकीज की सामाजिक परिस्थितियां	23-31
* हॉस्टल का वातावरण	
* अटेंडेंस की समस्या	
* कॉलेज में प्रेम	
अध्याय 4. बनारस टॉकीज की राजनीतिक परिस्थितियां	32-39
* रैगिंग	
* मंडी	
* क्रिकेट	
* कोहराम, साजिश और बम ब्लास्ट	
उपसंहार	40
संदर्भ-सूची	41

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

भारत दुर्दशा नाटक : कल और आज

बी.ए. हिंदी (ऑनर्स) षष्ठ सेमेस्टर के अंतर्गत 'परियोजना कार्य' प्रश्न पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध-प्रबंध

सत्र : 2024-25

मार्गदर्शक
डॉ. मुरली मनोहर सिंह
सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग
गु. घा. वि. वि., बिलासपुर (छ.ग.)

विभागाध्यक्ष
प्रो. गौरी त्रिपाठी
विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग
गु. घा. वि. वि., बिलासपुर (छ.ग.)

प्रस्तुतकर्ता
शुभम कश्यप
स्नातक हिन्दी षष्ठ सेमेस्टर
ना.संख्या- GGV/22/00223

हिंदी विभाग
कला अध्ययनशाला
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009, क्रमांक 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
(NAAC : A ++)
कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि शुभम कश्यप ने मेरे मार्गदर्शन में "भारत दुर्दशा नाटक : कल और आज" विषय पर अपना परियोजना कार्य पूरा किया है। यह परियोजना-कार्य विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा-पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उसका मौलिक कार्य है, जिसमें विश्वविद्यालय के शोध-परियोजना संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किए जाने की संस्तुति करता हूं।

स्थान : हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर

दिनांक :

मार्गदर्शक

डॉ. मुरली मनोहर सिंह

सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छत्तीसगढ़)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

घोषणा पत्र

मैं, शुभम कश्यप यह घोषणा करता हूं कि "भारत दुर्दशा नाटक : कल और आज" विषय पर प्रस्तुत यह परियोजना-कार्य मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है, इसे अंशत: या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह परियोजना- कार्य मैंने डॉ. मुरली मनोहर सिंह , हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

मैं घोषणा करता हूं कि प्रस्तुत परियोजना-कार्य को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय से शोध परियोजना संबंधी सभी नियमों का पालन किया है।

स्थान : हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर

दिनांक : 22-04-2025

प्रस्तुतकर्ता

शुभम कश्यप

स्नातक षष्ठ सेमेस्टर, हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर छत्तीसगढ़

नामांकन संख्या- GGV/22/00223

अनुक्रमांक- 22004123

अनुक्रमणिका

प्रमाण पत्र

घोषणा पत्र

आभार

प्रस्तावना

अध्याय :

1. नाटक का उद्‌गम
2. नाटक के लक्षण
3. भारतेन्दु के नाटकों के लिखने के कारण
4. भारतेन्दु के नाटकों की आवश्यकता
5. भारतेंदु एवं उनके नाटक
6. भारतेंदु युगीन परिस्थितियाँ एवं भारत दुर्दशा
7. समकालीन समय और भारत दुर्दशा

निष्कर्ष

"समकालीन यथार्थ की अभिव्यक्ति व सारा आकाश"

स्नातक हिंदी (ऑनर्स) छठा सेमेस्टर के अंतर्गत 'परियोजना कार्य' प्रश्न पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु
प्रस्तुत

परियोजना कार्य

सत्र 2024- 2025

मार्गदर्शक
डॉ. मुरली मनोहर सिंह
सहायक प्राध्यापक
हिंदी विभाग
गु. घा. वि. वि., बिलासपुर (छ.ग.)

विभागाध्यक्ष
प्रो. गौरी त्रिपाठी
आचार्य
हिंदी विभाग
गु. घा. वि. वि., बिलासपुर (छ.ग.)

प्रस्तुतकर्ता
शुभांश कुमार सैनी
बी.ए. हिन्दी (ऑनर्स) छठा सेमेस्टर
ना.क्र.- GGV/22/00224
हिंदी विभाग, गु.घा.वि.वि., बिलासपुर

हिंदी विभाग
कला अध्ययनशाला
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009, क्रमांक 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
(NAAC : A ++)
कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

घोषणा-पत्र

मैं **शुभांश कुमार सैनी** , गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय , बिलासपुर (छ.ग.) के हिन्दी विभाग के स्नातक हिन्दी (आनर्स) के छटे सेमेस्टर, सत्र 2024-25 की नियमित छात्र हूँ।

मैं अपने उत्तरदायित्व के साथ घोषणा करती हूँ कि मैंने अपने निर्देशक के मार्गदर्शन में यह अधिन्यास कार्य, संभावित अध्याय-योजना में **"समकालीन यथार्थ की अभिव्यक्ति एवं सारा आकाश "** तैयार किया है।

स्थान :- बिलासपुर (छ.ग.)

दिनांक :- / / 2025

प्रस्तुतकर्ता
शुभांश कुमार सैनी
स्नातक हिन्दी (आनर्स)
गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर

गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
हिन्दी विभाग

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **शुभांश कुमार सैनी** गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग में सत्र 2024-25 में स्नातक हिन्दी (आनर्स) छठे सेम. के नियमित छात्र हैं । इन्होंने विश्वविद्यालय के नियमान्तर्गत **"समकालीन यथार्थ की अभिव्यक्ति एवं सारा आकाश "** शीर्षक विषय पर अधिन्यास-कार्य योजना मेरे निर्देशन में पूर्ण किया है।

स्थान :- बिलासपुर (छ.ग.)

दिनांक :- 24/4/2025

मार्गदर्शक
डॉ. मुरली मनोहर सिंह
सहायक प्राध्यापक
हिन्दी विभाग

विभागाध्यक्ष
प्रो. गौरी त्रिपाठी
आचार्य, हिन्दी विभाग

अनुक्रमणिका

अध्याय का नाम	पृष्ठ संख्या
अध्याय- 1 समकालीन उपन्यासों में अभिव्यक्त विडंबना बोध	08-11
अध्याय- 2 राजेन्द्र यादव के कथा साहित्य में उत्पन्न विडंबना बोध	12-24
अध्याय- 3 सारा आकाश में अभिव्यक्त यथार्थ का स्वरूप एवं विडंबना बोध	26-38
उपसंहार	39-41
संदर्भ सूची	42-44

"वर्तमान शिक्षा व्यवस्था"
(एक और द्रोणाचार्य के संदर्भ में)

बीए. ए. हिन्दी (छठा सेमेस्टर) के प्रश्न-पत्र – परियोजना कार्य की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

परियोजना कार्य

सत्र : 2024-25

मार्गदर्शक
प्रो. गौरी त्रिपाठी
प्राध्यापक
हिन्दी विभाग, गु.घा.वि.वि.,बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
प्रो. गौरी त्रिपाठी
प्राध्यापक
हिन्दी विभाग, गु.घा.वि.वि.,बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
राजीव सिंह
बीए. ए. हिन्दी (छठा सेमेस्टर)
ना. क्र.- GGV/22/00219
हिन्दी विभाग, गु.घा.वि.वि.,बिलासपुर

हिन्दी विभाग
कला अध्ययनशाला
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009, क्रमांक 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
(NAAC GRADE : A ++)
कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

घोषणा पत्र

मैं, राजीव सिंह, गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के हिंदी विभाग के बी. ए. हिंदी(ऑनर्स) के षष्ठम् सेमेस्टर, सत्र-2024–25 का नियमित छात्र हूँ।

मैं, अपने पूर्ण उत्तरदायित्व के साथ घोषणा करता हूँ कि मैंने मार्गदर्शक के निर्देशन में यह परियोजना कार्य, संभावित अध्याय योजना में स्वंय **"वर्तमान शिक्षा व्यवस्था "(एक और द्रोणाचार्य के सन्दर्भ मे)** तैयार किया है।

स्थान: बिलासपुर (छ.ग.)
दिनांक:

प्रस्तुतकर्ता
राजीव सिंह
बी.ए छठा सेमेस्टर
स्नातक हिन्दी(ऑनर्स)
गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ. ग.)

हिन्दी विभाग

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि राजीव सिंह गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में सत्र 2024-25 में षष्ठम् सेमेस्टर स्नातक हिंदी (ऑनर्स) के नियमित छात्र है। इन्होंने विश्वविद्यालय के नियमांतर्गत "**वर्तमान शिक्षा व्यवस्था "(एक और द्रोणाचार्य के सन्दर्भ मे)** शीर्षक विषय पर परियोजना कार्य योजना मेरे निर्देशन में पूर्ण किया है।

स्थान:- बिलासपुर
दिनांक:-21-04-25

मार्गदर्शक
प्रो. गौरी त्रिपाठी
प्राध्यापक एवं अध्यक्ष
हिंदी विभाग

विभागाध्यक्ष
डॉ . गौरी त्रिपाठी
प्राध्यापक एवं अध्यक्ष
हिन्दी विभाग

अनुक्रमणिका

अध्याय का नाम	पृष्ठ संख्या
अध्याय- 1 डॉ शंकर शेष: व्यक्तित्व और कृतित्व	1 – 8
अध्याय- 2 वर्तमान शिक्षा व्यवस्था	9 – 15
अध्याय- 3 एक और द्रोणाचार्य की प्रासंगिकता	16 – 24
अध्याय- 4 भाषा शैली	25 –;27
निष्कर्ष	28 – 29
संदर्भ सूची	–

"मन्नू भण्डारी की प्रमुख कहानियाँ"

बी.ए. हिंदी (ऑनर्स) छठा सेमेस्टर के अंतर्गत 'परियोजना कार्य' प्रश्न पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

परियोजना कार्य

सत्र : 2024-25

मार्गदर्शक
डॉ. राजेश मिश्र
सहायक प्राध्यापक
हिंदी विभाग
गु. घा. वि. वि., बिलासपुर (छ.ग.)

विभागाध्यक्ष
प्रो. गौरी त्रिपाठी
आचार्य
हिंदी विभाग
गु. घा. वि. वि., बिलासपुर (छ.ग.)

प्रस्तुतकर्ता
ममता कुशवाहा
बी.ए. हिन्दी (ऑनर्स) छठा सेमेस्टर
ना.क्र.- GGV/22/00216
हिंदी विभाग, गु.घा.वि.वि., बिलासपुर

हिंदी विभाग
कला अध्ययनशाला
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009, क्रमांक 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
(NAAC : A ++)
कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

घोषणा-पत्र

मैं **ममता कुशवाहा** , गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय , बिलासपुर (छ.ग.) के हिन्दी विभाग के स्नातक हिन्दी (आनर्स) के छटे सेमेस्टर, सत्र 2024-25 की नियमित छात्रा हूँ।

मैं अपने उत्तरदायित्व के साथ घोषणा करती हूँ कि मैंने अपने निर्देशक के मार्गदर्शन में यह अधिन्यास कार्य, संभावित अध्याय-योजना में **"मन्नू भण्डारी कि प्रमुख कहानियाँ"** तैयार किया है।

स्थान :- बिलासपुर (छ.ग.)

दिनांक :-२१/ ०५ 2025

प्रस्तुतकर्ता

ममता कुशवाहा
स्नातक हिन्दी (आनर्स)
गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग

गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
हिन्दी विभाग

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **ममता कुशवाहा** गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग में सत्र 2024-25 में स्नातक हिन्दी (आनर्स) छठे सेम. के नियमित छात्रा हैं। इन्होंने विश्वविद्यालय के नियमान्तर्गत **"मन्नू भण्डारी की प्रमुख कहानियाँ"** शीर्षक विषय पर अधिन्यास-कार्य योजना मेरे निर्देशन में पूर्ण किया है।

स्थान :- बिलासपुर (छ.ग.)

दिनांक :-२२/०५/ 2025

मार्गदर्शक

डॉ. राजेश मिश्र
सहायक प्राध्यापक
हिन्दी विभाग

विभागाध्यक्ष
प्रो. गौरी त्रिपाठी
आचार्य, हिन्दी विभाग

कुलटा में वर्णित स्त्री पुरुष संबंधों का सामाजिक विश्लेषण
(संदर्भ: कुलटा उपन्यास))

बी.ए. हिंदी (ऑनर्स) छठा सेमेस्टर के अंतर्गत 'परियोजना कार्य' प्रश्न पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

परियोजना कार्य

सत्र : 2024-25

मार्गदर्शक
डॉ. अखिलेश गुप्ता
सहायक प्राध्यापक
हिंदी विभाग
गु. घा. वि. वि., बिलासपुर (छ.ग.)

विभागाध्यक्ष
प्रो. गौरी त्रिपाठी
प्राध्यापक
हिंदी विभाग
गु. घा. वि. वि., बिलासपुर (छ.ग.)

प्रस्तुतकर्ता
वर्षा साहू
बी.ए. हिन्दी (ऑनर्स) छठा सेमेस्टर
ना.क्र.- GGV/22/00229
हिंदी विभाग, गु.घा.वि.वि., बिलासपुर

हिंदी विभाग
कला अध्ययनशाला
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009, क्रमांक 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
(NAAC : A ++)
कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

घोषणा-पत्र

मैं वर्षा साहू, सत्र 2024-25 स्नातक हिन्दी (ऑनर्स) छठा सेमेस्टर, गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) का छात्रा हूँ। मैं अपने पूर्ण उत्तरदायित्व के साथ यह घोषणा करती हूँ कि मैंने निर्देशक के समक्ष स्वयं परियोजना **कार्य कुलटा में वर्णित स्त्री पुरुष संबंधों का सामाजिक विश्लेषण (संदर्भ: कुलटा उपन्यास)** शीर्षक विषय पर पूर्ण किया है।

स्थान : बिलासपुर (छ.ग.)

दिनांक :

Varsha

प्रस्तुतकर्ता
वर्षा साहू

स्नातक हिन्दी (ऑनर्स)
छठा सेमेस्टर
गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय,
बिलासपुर (छ.ग.)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ. ग.)

हिंदी विभाग

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **वर्षा साहू**, गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में सत्र 2024-25 में स्नातक हिंदी (ऑनर्स) छठा सेमेस्टर के नियमित छात्रा हैं। इन्होंने विश्वविद्यालय के नियमांतर्गत **कुलटा में वर्णित स्त्री पुरुष संबंधों का सामाजिक विश्लेषण (संदर्भ: कुलटा उपन्यास)** शीर्षक विषय पर परियोजना कार्य योजना मेरे निर्देशन में पूर्ण किया है।

स्थान : बिलासपुर (छ.ग.)

दिनांक : 22-04-2025

डॉ. अखिलेश गुप्ता
मार्गदर्शक

प्रो. गौरी त्रिपाठी
प्राध्यापक एवं अध्यक्ष
हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

"उदय प्रकाश' की कहानियों में सामाजिक यथार्थ और उनकी समस्याओं के स्वरूप"

(संदर्भ: 'तिरिछ' कहानी-संग्रह)

बी.ए. हिंदी (ऑनर्स) छठा सेमेस्टर के अंतर्गत 'परियोजना कार्य' प्रश्न पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

परियोजना कार्य

सत्र : 2024-25

मार्गदर्शक
डॉ. अखिलेश गुप्ता
सहायक प्राध्यापक
हिंदी विभाग
गु. घा. वि. वि., बिलासपुर (छ.ग.)

विभागाध्यक्ष
प्रो. गौरी त्रिपाठी
प्राध्यापक
हिंदी विभाग
गु. घा. वि. वि., बिलासपुर (छ.ग.)

प्रस्तुतकर्ता
नवीन कुमार
बी.ए. हिन्दी (ऑनर्स) छठा सेमेस्टर
ना.क्र.- GGV/22/00217
हिंदी विभाग, गु.घा.वि.वि., बिलासपुर

हिंदी विभाग
कला अध्ययनशाला
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009, क्रमांक 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
(NAAC : A++)
कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

घोषणा-पत्र

मैं नवीन कुमार, सत्र 2024-25 स्नातक हिन्दी (ऑनर्स) छठा सेमेस्टर, गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) का छात्र हूँ। मैं अपने पूर्ण उत्तरदायित्व के साथ यह घोषणा करता हूँ कि मैंने निर्देशक के समक्ष स्वयं परियोजना कार्य **'उदय प्रकाश' की कहानियों में सामाजिक यथार्थ और उनकी समस्याओं के स्वरूप'** (संदर्भ : तिरिछ कहानी- संग्रह) शीर्षक विषय पर पूर्ण किया है।

स्थान : बिलासपुर (छ.ग.)

दिनांक : 22-04-2025

Naveen Kumar

प्रस्तुतकर्ता
नवीन कुमार

स्नातक हिन्दी (ऑनर्स)
छठा सेमेस्टर
गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय,
बिलासपुर (छ.ग.)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ. ग.)
हिंदी विभाग

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **नवीन कुमार**, गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में सत्र 2024-25 में स्नातक हिंदी (ऑनर्स) छठा सेमेस्टर के नियमित छात्र हैं। इन्होंने विश्वविद्यालय के नियमांतर्गत **'उदय प्रकाश' की कहानियों में सामाजिक यथार्थ और उनकी समस्याओं के स्वरूप'** (संदर्भ : तिरिछ कहानी- संग्रह) शीर्षक विषय पर परियोजना कार्य योजना मेरे निर्देशन में पूर्ण किया है।

स्थान : बिलासपुर (छ.ग.)

दिनांक : 21-04-2025

डॉ. अखिलेश गुप्ता
मार्गदर्शक

प्रो. गौरी त्रिपाठी
प्राध्यापक एवं अध्यक्ष
हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

'जोहड़ी' में अभिव्यक्त सामाजिक यथार्थ

स्नातक हिन्दी (छठा सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न-पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

परियोजना-कार्य

सत्र : 2024 - 25

मार्गदर्शक
डॉ. अनीश कुमार
सहायक प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु.घा.वि.वि, बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
प्रो. गौरी त्रिपाठी
प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु.घा.वि.वि, बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
करिश्मा
बी. ए. (ऑनर्स) हिन्दी छठा सेमेस्टर
ना. सं.: GGV/22/00215

हिन्दी विभाग
कला अध्ययनशाला
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 कंडिका 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

घोषणा-पत्र

मैं, **करिश्मा** यह घोषणा करती हूँ कि **"'जोहड़ी' में अभिव्यक्त सामाजिक यथार्थ"** विषय पर प्रस्तुत यह परियोजना-कार्य मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है, इसे अंशतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह परियोजना-कार्य मैंने **डॉ. अनीश कुमार**, सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

मैं घोषणा करती हूं कि प्रस्तुत परियोजना-कार्य को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के शोध-परियोजना संबंधी सभी नियमों का पालन किया है।

स्थान : हिन्दी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर
दिनांक :

Karishma

प्रस्तुतकर्ता
करिश्मा
बी.ए. (ऑनर्स) छठा सेमेस्टर
गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
नामांकन सं. – GGV/22/00215
अनुक्रमांक – 22004115

प्रमाण-पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि **धीरज कुमार** ने मेरे मार्गदर्शन में **"'जोहड़ी' में अभिव्यक्त सामाजिक यथार्थ"** विषय पर अपना परियोजना-कार्य पूरा किया है। यह परियोजना-कार्य विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा–पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उसका मौलिक कार्य है, जिसमें विश्वविद्यालय के शोध-परियोजना संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किए जाने की संस्तुति करता हूं।

स्थान : हिन्दी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर
दिनांक :

विभागाध्यक्ष
प्रो. गौरी त्रिपाठी
आचार्य, हिन्दी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

मार्गदर्शक
डॉ. अनीश कुमार
सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

समकालीन हिंदी कहानी

बीए. ए. हिन्दी (छठा सेमेस्टर) के प्रश्न-पत्र – परियोजना कार्य की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

परियोजना कार्य

सत्र : 2024-25

मार्गदर्शक
डॉ. राजेश मिश्र
सहायक प्राध्यापक
हिन्दी विभाग, गु.घा.वि.वि.,बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
प्रो. गौरी त्रिपाठी
प्राध्यापक
हिन्दी विभाग, गु.घा.वि.वि.,बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
आस्था ठाकुर
बीए. ए. हिन्दी (छठा सेमेस्टर)
ना. क्र.- GGV/22/00202
हिन्दी विभाग, गु.घा.वि.वि.,बिलासपुर

हिन्दी विभाग
कला अध्ययनशाला
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009, क्रमांक 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
(NAAC GRADE : A ++)
कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

घोषणा पत्र

मैं, आस्था ठाकुर, गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के हिंदी विभाग के बी. ए. हिंदी(ऑनर्स) के षष्ठम् सेमेस्टर, सत्र-2024–25 की नियमित छात्रा हूँ।

मैं, अपने पूर्ण उत्तरदायित्व के साथ घोषणा करती हूँ कि मैंने मार्गदर्शक के निर्देशन में यह परियोजना कार्य, संभावित अध्याय योजना में स्वंय **"समकालीन हिंदी कहानी "**में तैयार किया है।

स्थान: बिलासपुर (छ.ग.)
दिनांक: 22/04/25

प्रस्तुतकर्ता
आस्था ठाकुर
बी.ए छठा सेमेस्टर
स्नातक हिन्दी(ऑनर्स)
गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ. ग.)

हिन्दी विभाग

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि आस्था ठाकुर गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में सत्र 2024-25 में षष्ठम् सेमेस्टर स्नातक हिंदी (ऑनर्स) की नियमित छात्रा है। इन्होंने विश्वविद्यालय के नियमांतर्गत **" समकालीन हिंदी कहानी"** शीर्षक विषय पर परियोजना कार्य योजना मेरे निर्देशन में पूर्ण किया है।

स्थान:- बिलासपुर
दिनांक:- २२/०५/२५

मार्गदर्शक
डॉ . राजेश मिश्र
सहायक प्राध्यापक
हिंदी विभाग

विभागाध्यक्ष
डॉ . गौरी त्रिपाठी
प्राध्यापक एवं अध्यक्ष
हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

कुच्ची का कानून: पुरुषसत्तात्मक समाज में स्त्री स्वायत्तता की खोज

बी . ए .हिंदी छठा सेमेस्टर की प्रश्नपत्र अधिन्यास कार्य की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

परियोजना कार्य

सत्र –2024 25

मार्गदर्शक
डॉ. अतुल कुमार
सहायक प्राध्यापक

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
प्राध्यापक

प्रस्तुतकर्ता
अनिरुद्ध धुर्वे
बी. ए. हिंदी छठा सेमेस्टर

हिंदी विभाग – कला अध्ययनशाला

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ. ग.)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

घोषणा पत्र

मैं अनिरुद्ध धुर्वे यह घोषणा करता हूं कि 'शिवमूर्ति द्वारा रचित कुच्ची का कानून: नामक कहानी में पुरुपसत्तात्मक समाज में स्त्री स्वायत्तता की खोज विषय पर यह अधिन्यास कार्य (बी.ए. हिंदी छठा सेमेस्टर) के प्रश्न पत्र- अधिन्यास कार्य की प्रतिपूर्ति हेतु) मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है। इसे किसी भी विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। इस अधिन्यास कार्य को मैं डॉ. अतुल कुमार, सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूर्ण किया है।

मैं घोषणा करता हू कि प्रस्तुत अधिन्यास कार्य को पूर्ण करने में मैंने इससे संबंधित विश्विद्यालय की नियमावली का पालन किया है।

स्थान: बिलासपुर

दिनांक: 22/04/2025

प्रस्तुतकर्ता

अनिरुद्ध धुर्वे

बी.ए. हिंदी विभाग

छठा सेमेस्टर गु.घा.वि.वि.

बिलासपुर

ना. क्र.:G G V/22/00206

अनुक्रमांक:22004106

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि अनिरुद्ध धुर्वे ने मेरे मार्गदर्शन शिवमूर्ति द्वारा रचित कुच्ची का कानून: नामक कहानी में पुरुषसत्तात्मक समाज में स्त्री स्वायत्तता की खोज' विषय पर अपना अधिन्यास कार्य पूर्ण किया है। यह अधिन्यास कार्य विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उसका मौलिक कार्य है। जिसमें विश्वविद्यालय की सम्बंधित नियमावली का पालन किया गया है। मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किए जाने की संस्तुति करता हूँ।

स्थान : बिलासपुर
दिनांक: 22/04/2025

मार्गदर्शक
डॉ. अतुल कुमार
सहायक प्राध्यापक हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

मैथिली लोकगीतों का समाज शास्त्रीय अध्ययन

बी.ए. हिंदी (ऑनर्स) षष्ठ सेमेस्टर के अंतर्गत 'परियोजना कार्य' प्रश्न पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध-प्रबंध

सत्र : 2024-25

मार्गदर्शक
डॉ. अनीश कुमार
प्राध्यापक, हिंदी विभाग
गु. घा. वि. वि., बिलासपुर (छ.ग.)

विभागाध्यक्ष
प्रो. गौरी त्रिपाठी
विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग
गु. घा. वि. वि., बिलासपुर (छ.ग.)

प्रस्तुतकर्ता
वैभव वत्स
स्नातक हिन्दी षष्ठ सेमेस्टर
ना.संख्या- GGV/22/00228

हिंदी विभाग
कला अध्ययनशाला
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009, क्रमांक 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
(NAAC : A ++)
कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

प्रमाण-पत्र..

यह प्रमाणित किया जाता है कि वैभव वत्स ने मेरे मार्गदर्शन में "मैथिली लोकगीतों का समाजशास्त्रीय अध्ययन" विषय पर अपना परियोजना कार्य पूरा किया है। यह परियोजना-कार्य विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा-पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उसका मौलिक कार्य है, जिसमें विश्वविद्यालय के शोध-परियोजना संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।
मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किए जाने की संस्तुति करता हूं।

स्थान : हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर

दिनांक : 22/04/2025

मार्गदर्शक
डॉ. अनीश कुमार
सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय,
बिलासपुर, छत्तीसगढ़

घोषणा पत्र

मैं, वैभव वत्स यह घोषणा करता हूं कि "मैथिली लोकगीतों का समाजशास्त्रीय अध्ययन" विषय पर प्रस्तुत यह परियोजना-कार्य मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है, इसे अंशतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह परियोजना- कार्य मैंने डॉक्टर अनीश कुमार, सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

मैं घोषणा करता हूं कि प्रस्तुत परियोजना-कार्य को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय से शोध परियोजना संबंधी सभी नियमों का पालन किया है।

स्थान : हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर
दिनांक : २२/04/२०२५

Vaibhavvatsa

प्रस्तुतकर्ता
वैभव वत्स
स्नातक षष्ठम सेमेस्टर, हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय,
बिलासपुर छत्तीसगढ़
नामांकन संख्या- GGV/22/00228
अनुक्रमांक- 22004128

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

छात्र राजनीति की गाथा: अपना मोर्चा के संदर्भ में

स्नातक हिंदी(छठा सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्नपत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

परियोजना–कार्य

सत्र: 2024 - 25

मार्गदर्शक
डॉ.गौरी त्रिपाठी
प्राध्यापक ,हिंदी विभाग
गु. घा. वि. वि. बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
प्राध्यापक ,हिंदी विभाग
गु. घा. वि. वि.
बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
अनिल गुप्ता
बी. ए.(ऑनर्स) हिंदी छठा सेमेस्टर
ना . सं.: GGV/22/00205

हिंदी विभाग
कला अध्ययनशाला
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय
(केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनयम , 2009 कंडिका 25 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी , बिलासपुर (छ.ग.)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

घोषणा-पत्र

मैं, अनिल गुप्ता यह घोषणा करता हूँ कि "छात्र राजनीति की गाथा :-अपना मोर्चा के संदर्भ में" विषय पर प्रस्तुत यह परियोजना-कार्य मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है, इसे अंशतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह परियोजना-कार्य मैंने डॉ. गौरी त्रिपाठी, सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

मैं घोषणा करता हूं कि प्रस्तुत परियोजना-कार्य को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के शोध परियोजना संबंधीसभी नियमों का पालन किया है।

स्थान : हिन्दी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर

Anil

प्रस्तुतकर्ता - अनिल गुप्ता
स्नातक छठा सेमेस्टर, हिन्दी विभाग
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
नामांकन सं. GGV/22/00205
अनुक्रमांक - 22004105

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

प्रमाण पत्र:-

यह प्रमाणित किया जाता है कि अनिल ने मेरे मार्गदर्शन में " छात्र राजनीति की गाथा :-अपना मोर्चा के संदर्भ में " विषय पर अपना परियोजना-कार्य पूरा किया है। यह परियोजना-कार्य विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा-पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उसका मौलिक कार्य है, जिसमे विश्वविद्यालय के शोध-परियोजना संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है। मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किए जाने की संस्तुति करता हूं।

स्थान : हिन्दी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर

दिनांक:

मार्गदर्शक डॉ. गौरी त्रिपाठी , हिंदी विभाग गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

ढलती सांझ का सुरज: कृषक जीवन का यथार्थ

स्नातक हिंदी(छठा सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्नपत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

परियोजना–कार्य

सत्र: 2024 - 25

मार्गदर्शक
डॉ.गौरी त्रिपाठी
प्राध्यापक ,हिंदी विभाग
गु. घा. वि. वि. बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
प्राध्यापक ,हिंदी विभाग
गु. घा. वि. वि. बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
अदिती तिवारी
बी. ए.(ऑनर्स) हिंदी छठा सेमेस्टर
ना . सं.: GGV/22/00201

हिंदी विभाग
कला अध्ययनशाला
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय
(केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनयम , 2009 कंडिका 25 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी , बिलासपुर (छ.ग.)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

घोषणा-पत्र

मैं, अदिती यह घोषणा करती हूँ कि "ढलती सांझ का सुरजः कृषक जीवन का यथार्थ संदर्भ" विषय पर प्रस्तुत यह परियोजना-कार्य मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है, इसे अंशतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह परियोजना-कार्य मैंने डॉ. गौरी त्रिपाठी, सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

मैं घोषणा करती हूं कि प्रस्तुत परियोजना-कार्य को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के शोध परियोजना संबंधीसभी नियमों का पालन किया है।

स्थान : हिन्दी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर

दिनांक:

प्रस्तुतकर्ता

अदिती तिवारी

स्नातक छठा सेमेस्टर,हिंदी विभाग

गुरू घासीदास विश्वविद्यालय

नामांकन गांव/22/002

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि अदिती ने मेरे मार्गदर्शन में "ढलती सांझ का सुरज: कृषक जीवन का यथार्थ" विषय पर अपना परियोजना-कार्य पूरा किया है। यह परियोजना-कार्य विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा-पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उसका मौलिक कार्य है, जिसमे विश्वविद्यालय के शोध-परियोजना संबंधीसभी नियमों का पालन किया गया है। मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किए जाने की संस्तुति करती हूं।

स्थान : हिन्दी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर

मार्गदर्शक

डॉ. गौरी त्रिपाठी

सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

'ईश्वर और बाजार'में अभिव्यक्त आदिवासी समाज का यथार्थ

स्नातक हिंदी (छठा सेमेस्टर) के चौथे प्रश्नपत्र की प्रतिपूर्ति हेतु

परियोजना-कार्य

सत्र-2024-2025

मार्गदर्शक
डॉ.अनीश कुमार
सहायक प्राध्यापक हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय

विभागाध्यक्ष
प्रो.गौरी त्रिपाठी
प्राध्यापक हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय

प्रस्तुतकर्त्ता
अंकित धुर्वे
बीए हिंदी छठा सेमेस्टर
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
अनुक्रमांक:22004107

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
बिलासपुर छत्तीसगढ़

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

घोषणा-पत्र

मैं अंकित धुर्वे यह घोषणा करता हूं कि"ईश्वर और बाजार में अभिव्यक्त आदिवासी समाज का यथार्थ"विषय पर प्रस्तुत यह परियोजना कार्य मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है। इसे अंसत:या पूर्णता: इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह कार्य मैंने डॉ. अनीश कुमार सहायक प्राध्यापक हिंदी विभाग गुरु घासीदास विश्वविद्यालय (बिलासपुर छत्तीसगढ़) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

स्थान: बिलासपुर

दिनांक: 22/04/2025

प्रस्तुतकर्त्ता

अंकित धुर्वे

बीए हिंदी छठा सेमेस्टर

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि अंकित धुर्वे ने मेरे मार्गदर्शन में "ईश्वर और बाजार में अभिव्यक्त आदिवासी समाज का यथार्थ" विषय पर अपना परियोजना कार्य पूरा किया है। यह परियोजना कार्य विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उसका मौलिक कार्य है इसमें विश्वविद्यालय के सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किए जाने की संस्तुति प्रदान करता हूं।

दिनांक: 22/04/2025

मार्गदर्शक डॉ.अनीश कुमार
सहायक प्राध्यापक हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय

महादेवी वर्मा की कहानियाँ:विमर्श के विविध पक्ष

बी.ए. हिंदी (ऑनर्स) छठा सेमेस्टर के अंतर्गत 'परियोजना कार्य' प्रश्न पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

परियोजना कार्य

सत्र : 2024-25

मार्गदर्शक
डॉ. रमेश कुमार गोहे
सहायक प्राध्यापक
हिंदी विभाग
गु. घा. वि. वि., बिलासपुर (छ.ग.)

विभागाध्यक्ष
प्रो. गौरी त्रिपाठी
प्राध्यापक
हिंदी विभाग
गु. घा. वि. वि., बिलासपुर (छ.ग.)

प्रस्तुतकर्ता
जुगेश प्रधान
बी.ए. हिन्दी (ऑनर्स) छठा सेमेस्टर
ना.क्र.- GGV/22/00213
हिंदी विभाग, गु.घा.वि.वि., बिलासपुर

हिंदी विभाग
कला अध्ययनशाला
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009, क्रमांक 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
(NAAC : A ++)
कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

घोषणा-पत्र

मैं जुगेश प्रधान, सत्र 2024-25 स्नातक हिन्दी (ऑनर्स) छठा सेमेस्टर, गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) का छात्र हूँ। मैं अपने पूर्ण उत्तरदायित्व के साथ यह घोषणा करता हूँ कि मैंने निर्देशक के समक्ष स्वयं परियोजना कार्य **"महादेवी वर्मा की कहानियाँ:विमर्श के विविध पक्ष"** शीर्षक विषय पर पूर्ण किया है।

स्थान : बिलासपुर (छ.ग.)
दिनांक : 22-04-2025

प्रस्तुतकर्ता
जुगेश प्रधान
स्नातक हिन्दी (ऑनर्स)
छठा सेमेस्टर
गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय,
बिलासपुर (छ.ग.)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ. ग.)
हिंदी विभाग

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **जुगेश प्रधान,** गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में सत्र 2024-25 में स्नातक हिंदी (ऑनर्स) छठा सेमेस्टर के नियमित छात्र हैं । इन्होंने विश्वविद्यालय के नियमांतर्गत **"महादेवी वर्मा की कहानियाँ:विमर्श के विविध पक्ष"** शीर्षक विषय पर परियोजना कार्य योजना मेरे निर्देशन में पूर्ण किया है।

स्थान : बिलासपुर (छ.ग.)
दिनांक : 22-04-2025

डॉ. रमेश कुमार गोहे
मार्गदर्शक

प्रो. गौरी त्रिपाठी
प्राध्यापक एवं अध्यक्ष
हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

'ग्लोबल गाँव के देवता' में अभिव्यक्त सामाजिक चेतना

बीए. ए. हिन्दी (छठा सेमेस्टर) के प्रश्न-पत्र – परियोजना कार्य की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

परियोजना कार्य

सत्र : 2024-25

मार्गदर्शक
डॉ. अतुल कुमार
सहायक प्राध्यापक
हिन्दी विभाग, गु.घा.वि.वि.,बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
प्रो. गौरी त्रिपाठी
प्राध्यापक
हिन्दी विभाग, गु.घा.वि.वि.,बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
सुरेन्द्र कुमार
बीए. ए. हिन्दी (छठा सेमेस्टर)
ना. क्र.- GGV/22/00227
हिन्दी विभाग, गु.घा.वि.वि.,बिलासपुर

हिन्दी विभाग
कला अध्ययनशाला
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009, क्रमांक 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
(NAAC GRADE : A ++)
कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

घोषणा पत्र

मैं सुरेन्द्र कुमार, गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के हिंदी विभाग में बी. ए. हिंदी(ऑनर्स) के षष्ठ सेमेस्टर, सत्र-2024–25 का नियमित छात्र हूँ।

मैं, अपने पूर्ण उत्तरदायित्व के साथ घोषणा करता हूँ कि मैंने मार्गदर्शक के निर्देशन में यह परियोजना कार्य, संभावित अध्याय योजना में स्वंय **"ग्लोबल गाँव के देवता में अभिव्यक्त सामाजिक चेतना"** विषय पर तैयार किया है।

स्थान: बिलासपुर (छ.ग.)
दिनांक: 22/04/2025

प्रस्तुतकर्ता
सुरेन्द्र कुमार
बी.ए. हिंदी षष्ठ सेमेस्टर
हिन्दी विभाग, गु.घा.वि.वि. बिलासपुर (छ.ग.)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ. ग.)

हिन्दी विभाग

.....

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि सुरेन्द्र कुमार गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय बिलासपुर के हिंदी विभाग में सत्र 2024-25 में स्नातक षष्ठ सेमेस्टर, हिंदी विभाग का नियमित छात्र है। इसने विश्वविद्यालय के नियमांतर्गत **"ग्लोबल गाँव के देवता में अभिव्यक्त सामाजिक चेतना"** विषय पर परियोजना कार्य मेरे निर्देशन में पूर्ण किया है।

स्थान:- बिलासपुर
दिनांक:- 22/04/2025

मार्गदर्शक
डॉ. अतुल कुमार
सहायक प्राध्यापक
हिंदी विभाग

विभागाध्यक्ष
डॉ . गौरी त्रिपाठी
प्राध्यापक एवं अध्यक्ष
हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

'अमर देसवा' में चित्रित सामाजिक यथार्थ

स्नातक हिन्दी (छठा सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न-पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

परियोजना-कार्य

सत्र : 2024 - 25

मार्गदर्शक
डॉ. अनीश कुमार
सहायक प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु.घा.वि.वि, बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
प्रो. गौरी त्रिपाठी
प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु.घा.वि.वि, बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
धीरज कुमार
स्नातक हिन्दी छठा सेमेस्टर
ना. सं. GGV/22/00211

हिन्दी विभाग
कला अध्ययनशाला
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 कंडिका 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

घोषणा-पत्र

मैं, **धीरज कुमार** यह घोषणा करता हूँ कि **"'अमर देसवा' में चित्रित सामाजिक यथार्थ"** विषय पर प्रस्तुत यह परियोजना-कार्य मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है, इसे अंशतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह परियोजना-कार्य मैंने **डॉ. अनीश कुमार**, सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

मैं घोषणा करता हूं कि प्रस्तुत परियोजना-कार्य को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के शोध-परियोजना संबंधी सभी नियमों का पालन किया है।

स्थान : हिन्दी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर
दिनांक : 22/04/25

प्रस्तुतकर्ता

धीरज कुमार
बी.ए. (ऑनर्स) छठा सेमेस्टर
गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
नामांकन सं. – GGV/22/00211
अनुक्रमांक – 22004111

प्रमाण-पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि **धीरज कुमार** ने मेरे मार्गदर्शन में **"'अमर देसवा' में चित्रित सामाजिक यथार्थ"** विषय पर अपना परियोजना-कार्य पूरा किया है। यह परियोजना-कार्य विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा–पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उसका मौलिक कार्य है, जिसमें विश्वविद्यालय के शोध-परियोजना संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किए जाने की संस्तुति करता हूं।

स्थान : हिन्दी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर

दिनांक : 22/04/25

विभागाध्यक्ष

प्रो. गौरी त्रिपाठी

आचार्य, हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

मार्गदर्शक

डॉ. अनीश कुमार

सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भों में "आगरा बाजार" की प्रासंगिकता

बी.ए. हिंदी (ऑनर्स) छठा सेमेस्टर के अंतर्गत 'परियोजना कार्य' प्रश्न पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

परियोजना कार्य

सत्र : 2024-25

मार्गदर्शक
प्रो. गौरी त्रिपाठी
प्राध्यापक
हिंदी विभाग
गु. घा. वि. वि., बिलासपुर (छ.ग.)

विभागाध्यक्ष
प्रो. गौरी त्रिपाठी
प्राध्यापक
हिंदी विभाग
गु. घा. वि. वि., बिलासपुर (छ.ग.)

प्रस्तुतकर्ता
करन सिंह
बी.ए. हिन्दी (ऑनर्स) छठा सेमेस्टर
ना.क्र.- GGV/22/00214
हिंदी विभाग, गु.घा.वि.वि., बिलासपुर

हिंदी विभाग
कला अध्ययनशाला
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009, क्रमांक 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
(NAAC : A ++)
कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

घोषणा पत्र

मैं करन सिंह, सत्र 2024-25 स्नातक हिन्दी (ऑनर्स) छठा सेमेस्टर, गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) का छात्र हूँ। मैं अपने पूर्ण उत्तरदायित्व के साथ यह घोषणा करता हूँ कि मैंने निर्देशक के समक्ष स्वयं रिपोर्ताज कार्य **'सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भों में "आगरा बाजार" की प्रासंगिकता' (संदर्भ : आगरा बाजार)** शीर्षक विषय पर पूर्ण किया है।

स्थान: बिलासपुर (छ.ग.)
दिनांक: 22/04/2025

प्रस्तुतकर्ता
करन सिंह
बी.ए छठा सेमेस्टर
स्नातक हिन्दी (ऑनर्स)
गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय,
बिलासपुर (छ.ग.)

गुरु घसीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ. ग.)
हिन्दी विभाग

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **करन सिंह** गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में सत्र 2024-25 में छठा सेमेस्टर स्नातक हिंदी (ऑनर्स) के नियमित छात्र है। इन्होंने विश्वविद्यालय के नियमांतर्गत **'सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भों में "आगरा बाजार" की प्रासंगिकता' (संदर्भ : आगरा बाजार)** शीर्षक विषय पर परियोजना कार्य योजना मेरे निर्देशन में पूर्ण किया है।

स्थान:- बिलासपुर

दिनांक:- 22/04/2025

मार्गदर्शक
प्रो. गौरी त्रिपाठी
प्राध्यापक
हिंदी विभाग
गु. घा. वि. वि.,
बिलासपुर (छ.ग.)

विभागाध्यक्ष
प्रो. गौरी त्रिपाठी
प्राध्यापक एवं अध्यक्ष
हिंदी विभाग